Course- BA Education Hons; part 1
paper- 1
Topic- Types of Education
prepared by- Dr. Sangeeta Kumari

इकाई 2 : शिक्षा के प्रकार
Unit 2 : Types of Education

2.1 शिक्षा का अर्थ (Meaning Of Education):-

शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है, जो मनुष्य की जन्मजात शक्तियों के स्वाभाविक और सामंजस्यपूर्ण विकास में योग देती है, उसकी वैयक्तिकता का पूर्ण विकास करती है, उसे अपने वातावरण में सामंजस्य स्थापित करने में सहायता देती है, उसे जीवन और नागरिकता के कर्त्तव्यों और दायित्वों के लिए तैयार करती है और उसके व्यवहार, विचार, दृष्टिकोण में ऐसा परिवर्तन करती है जो समाज, देश और विश्व के लिए हितकर होता है।

2.2 शिक्षा के प्रकार (Types of Education)

शिक्षा के निम्नलिखित प्रकार हैं:-

(1) नियमित/औपचारिक तथा अनियमित/अनौपचारिक शिक्षा (Formal and Informal education)

(अ) नियमित/औपचारिक शिक्षा (Formal Education)

नियमित शिक्षा वह है, जो जान-बूझकर और विचारपूर्वक दी जाती है। इस शिक्षा को बालक भी जान-बूझकर प्राप्त करता है। इस शिक्षा की योजना पहले ही बना ली जाती है और इसका ध्येय भी निश्चित कर लिया जाता है। इसमें बालक को निश्चित समय पर और नियमित रूप से निश्चित ज्ञान दिया जाता है। यह शिक्षा विशेष प्रकार की संस्थाओं

में दी जाती है। इस शिक्षा का प्रमुख स्थान स्कूल है।

(ब) अनियमित / अनौपचारिक शिक्षा (Informal Education):-

यह शिक्षा बालक के जन्म से कुछ मास पहले ही प्रारम्भ हो जाती है। इसीलिए होने वाली माताओं से आशा की जाती है कि वे अपने आचरण को अच्छा बनाए।

अनियमित शिक्षा बालक को अनायास और आकस्मिक रूप से प्राप्त होती है। यह शिक्षा जीवन भर चलती रहती है। इस शिक्षा को बालक घर में, घर से बाहर, खेल के मैदान में, अपने मित्रों के साथ बातचीत करने में, उठते-बैठते, खेलते कूदते-हर समय किसी-न-किसी रूप में प्राप्त करता है।

इस शिक्षा की कोई निश्चित योजना, कोई निश्चित स्थान, कोई निश्चित समय और कोई निश्चित नियम नहीं होता है। इस शिक्षा के साधन है - परिवार, धर्म, समाज, राज्य, रेडियो, समाचार पत्र, खेल के मैदान आदि।

2 प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष शिक्षा (Direct and Indirect Education)

(अ) प्रत्यक्ष शिक्षा (Direct Education)

इस शिक्षा को "वैयक्तिक शिक्षा" भी कहा जाता है। ~~[illegible]~~ यह शिक्षा अध्यापक और ~~[illegible]~~ के बीच होती है। अध्यापक अपने ज्ञान, आदर्शों और उद्देश्यों ~~से~~ छात्र के व्यक्तित्व को प्रभावित करता है।

(ब) अप्रत्यक्ष शिक्षा (Indirect Education):-

इस शिक्षा को "अवैयक्तिक शिक्षा" भी कहा जाता है। जब छात्र पर अध्यापक के उपदेश का प्रभाव नहीं पड़ता है तब वह विभिन्न प्रकार के

अप्रत्यक्ष साधनों को अपनाकर छात्र के व्यक्तित्व को प्रभावित करता है।

[3] वैयक्तिक और सामूहिक शिक्षा (Individual and Collective Education)

(अ) वैयक्तिक शिक्षा (Individual Education) :-

वैयक्तिक शिक्षा का सम्बन्ध केवल एक बालक से होता है। यह शिक्षा उसको व्यक्तिगत रूप से और अकेले ही जाती है। शिक्षा देते समय उसकी रुचि, प्रकृति, योग्यता और व्यक्तिगत विभिन्नता का पूरा-पूरा ध्यान रखा जाता है।

(ब) सामूहिक शिक्षा (Collective Education):→

सामूहिक शिक्षा का सम्बन्ध एक बालक से न होकर, बालकों के समूह से होता है। बहुत से बालकों के एक समूह को, कक्षा में एक साथ शिक्षा दी जाती है। इस शिक्षा में बालकों की व्यक्तिगत रुचियों, प्रवृत्तियों, योग्यताओं और विभिन्नताओं की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है।

[4] सामान्य व विशिष्ट शिक्षा (General & Specific Education)

(अ) सामान्य शिक्षा (General Education) :-

इस शिक्षा को उदार शिक्षा भी कहते हैं। आजकल के भारतीय हाई और हायर सेकेण्ड्री स्कूलों में इसी प्रकार की शिक्षा दी जाती है। यह शिक्षा बालकों को केवल सामान्य जीवन के लिए तैयार करती है।

(ब) विशिष्ट शिक्षा (Specific Education):-

यह शिक्षा किसी विशेष लक्ष्य को ध्यान में रखकर दी जाती है। इसका उद्देश्य बालकों को किसी विशेष व्यवसाय या निश्चित कार्य के लिए तैयार करना होता है।

5 गैर औपचारिक शिक्षा (Non formal Education)

गैर औपचारिक शिक्षा औपचारिक तथा अनौपचारिक शिक्षा का मिला जुला रूप है। यह शिक्षा इस तथ्य पर आधारित है कि बालक जो सीखना चाहे, सीखे, जब सीखना चाहे सीखे तथा जिस स्थान पर सीखना चाहे सीखे। इसमें न तो आयु का बन्धन है, न निश्चित अध्ययन कलांशो का, न निश्चित स्थान का। यह शिक्षा संस्था की चाहरदीवारी के बाहर की शिक्षा है। इस शिक्षा को कोई भी प्राप्त कर सकता है।

6 दूरवर्ती शिक्षा या दूरस्थ शिक्षा (Distance Education)

इसका अभिप्राय है - दूर से दी जानेवाली शिक्षा। इसमें सीखने वाला (छात्र) तथा सिखाने वाला (शिक्षक) आमने-सामने नहीं होते हैं। इसमें सीखना व सिखाना बिना किसी बाधा के लगातार चलता रहता है जबकि शिक्षक एवं छात्र एक दूसरे से दूर रहते हैं। इसमें छात्र अपनी सुविधा तथा प्राप्त समय के अनुसार अपनी गति से शिक्षा प्राप्त करता चलता है।

7 सतत् शिक्षा (Continuing Education)

सतत् शिक्षा इस बुनियादी सिद्धान्त पर आधारित है कि किसी व्यक्ति की शिक्षा उसी दिन समाप्त नहीं हो जाती जिस दिन वह विद्यालय या कॉलेज या विश्वविद्यालय से प्रमाण पत्र या उपाधि प्राप्त कर लेता है। उसकी शिक्षा सतत् चलती रहनी चाहिए। अतः सतत् शिक्षा या आजीवन शिक्षा वह शैक्षिक प्रयास है जिसका सीधा सम्बन्ध ऐसे ज्ञान एवं कौशलों की प्राप्ति से है जो शिक्षा प्राप्त करने वाले व्यक्ति की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक आवश्यकताओं से जुड़े हैं।

23 अभ्यास के प्रश्न (Questions for Exercise)

1) Describe the types of Education
शिक्षा के प्रकारों का वर्णन कीजिए।